27/5/25

पत्रावली मूल वाद के साथ तलब की गई। प्रकरण में मूल वाद डिक्री किया जा चुका है। मूल वाद डिक्री किये जाने से इस प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष नहीं रहती है। अतः कोई कार्यवाही शेष नहीं रहने से पत्रावली को इसी स्तर पर ड्रॉप किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। पूर्व में जारी अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा हटाई जाती है।

काजोड़ लाल

निर्णय सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramesh Chandra Bahediya
Date: 2025.07.03 14:27:34 IST
Reason: SelfAttested